अनुक्रमणिका

क्रम. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, बोली और व्याकरण (Language, Dialect and Grammar)	7
2.	वर्णमाला और मात्राएँ (Alphabet and Symbols of Vowles)	13
3.	शब्द और वाक्य (Words and Sentences)	19
4.	संज्ञा (Noun)	23
5.	लिंग (Gender)	27
6.	वचन (Number)	31
7.	सर्वनाम (Pronoun)	35
8.	विशेषण (Adjective)	39
9.	क्रिया एवं काल (Verb and Tense)	43
10.	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	47
11.	विलोम शब्द (Antonyms)	51
12.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitutions)	55
13.	मुहावरे (Idioms)	59
14.	अशुद्धि-शोधन (Error Correction)	64
15.	विराम-चिह्न (Punctuation Marks)	68
16.	संवाद-लेखन (Dialogue Writing)	72
17.	पत्र-लेखन (Letter Writing)	75
18.	चित्र-वर्णन (Picture Description)	80
19.	कहानी-लेखन (Story Writing)	82
20.	अनुच्छेद-लेखन (Paragraph Writing)	86
21.	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	88
22.	गिनती 21 से 50 तक (Counting)	91
	स्वमूल्यांकन पत्र-1	93
	स्वमूल्यांकन पत्र-2	95

EDITONE INTERNATIONAL

भाषा, बोली और व्याकरण
(Language, Dialect and Grammar)

पढ़िए और समझिए

भाषा

संसार में केवल मनुष्य ही ऐसा प्राणी है, जो अपने मन की बात और विचार बोलकर, लिखकर एवं संकेत के द्वारा दूसरों तक पहुँचा सकते हैं। मनुष्य की इस क्रिया को ही 'भाषा' कहा जाता है।

विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम भाषा है।

"भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन के भावों, विचारों को दूसरों के सम्मुख प्रकट करते हैं और दूसरों की बातों को समझते हैं।"

भाषा के रूप

- मौखिक भाषा
- लिखित भाषा

मौखिक रूप– जब हम बोलकर या सुनकर अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, उसे भाषा का मौखिक रूप कहते हैं।

मीना दादा जी से बात कर रही है।

शिक्षिका बोल रही है, बच्चे सुन रहे हैं।

EDITION INTERNATIONAL

लिखित रूप– जब हम लिखकर या पढ़कर आपस में विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

समाचार दादी जी पढ़कर बच्चों को समझा रही हैं।

लेखक कहानी लिख रहा है।

अत: भाषा के रूपों के आधार पर इसके चार कौशल हैं– बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना।

- जब भाषा को इशारों या संकेतों द्वारा समझाया जाता है। वह भाषा का सांकेतिक रूप होता है; जैसे– ट्रैफिक पुलिस वाला इशारे से यातायात का नियंत्रण करता है।

- माँ इशारे से बच्चे को बुलाती हैं।

बच्चा भाषा का मौखिक रूप सर्वप्रथम अपने परिवार से सीखता है परंतु लिखित रूप सीखने के लिए विद्यालय जाता है।

संसार में बहुत-सी भाषा प्रत्येक स्थान पर बोली व समझी जाती हैं। परंतु हर राज्य एवं देश की अपनी अलग भाषा भी होती है; जैसे–

राज्य	भाषा
उत्तर प्रदेश	हिंदी
कर्नाटक	कन्नड़
असम	असमिया
पंजाब	पंजाबी

राज्य	भाषा
बंगाल	बंगाली
कश्मीर	कश्मीरी
केरल	मलयालम
महाराष्ट्र	मराठी

- हमारे देश की राजभाषा हिंदी है।
- 14 सितंबर हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- पूरे विश्व में लगभग 6500 भाषाएँ बोली जाती हैं।

बोली

बच्चो, ऊपर बने चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए–

कुछ बच्चे झूला झूलते हुए बातचीत कर रहे हैं।

पेड़ पर चिड़िया और तोता कुछ कह–सुन रहे हैं।

कुत्ता भौं–भौं कर रहा है।

पक्षी दाना चुग रहे हैं।

सभी पशु–पक्षी अपनी बोली के द्वारा अपने भावों को प्रकट करते हैं। यद्यपि वे किसी विषय पर अपने विचार व्यक्त नहीं कर सकते, न ही मनुष्य की भाँति आपस में विचारों का आदान–प्रदान भाषा के रूप में कर सकते हैं। परंतु पशु–पक्षी निश्चित ही ध्वनि निकाल सकते हैं; जैसे–

कौआ सदा काँव–काँव ही करता है।

मोर हमेशा पियाओ–मियाओ ही करता है।

पशु–पक्षी सदा ध्वनियों के माध्यम से ही अपनी बातों को समझते–समझाते हैं, जिन्हें हम बोली कहते हैं।

कुछ विशिष्ट पशु–पक्षियों की बोलियाँ–

चिड़िया – चीं–चीं

गधा – ढेंचूँ–ढेंचूँ

कौआ – काँव–काँव

बंदर – खीं–खीं

EDITION INTERNATIONAL

व्याकरण

प्राचीन काल में मनुष्य के पास मौखिक और लिखित दोनों प्रकार की भाषाएँ तो उपलब्ध हो गईं, परंतु इनका प्रयोग करते समय अनेक प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, बहुत-सी गलतियाँ भी हो जाती थीं। ये गलतियाँ न हों, इसके लिए कुछ नियम बनाए गए और इन नियमों व इनके प्रयोग के तरीके को व्याकरण कहा गया अर्थात्–

व्याकरण के माध्यम से ही भाषा को शुद्ध रूप में बोला, पढ़ा व लिखा जाना संभव है।

लिपि

जिस प्रकार प्रत्येक राज्य की अलग-अलग भाषा होती है, उसी प्रकार अलग-अलग भाषा की अलग-अलग लिपि होती है; जैसे–

भाषा	लिपि
हिंदी, संस्कृत, गुजराती, मराठी, नेपाली	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
उर्दू	फारसी
पंजाबी	गुरुमुखी
बांग्ला	बांग्ला

भाषा को लिखित रूप देने के लिए हम अलग-अलग चिह्नों का प्रयोग करते है, इन चिह्नों को लिपि कहते हैं।

प्रमुख भारतीय भाषाओं की प्रमुख लिपियाँ भारतीय रुपए पर देखी जा सकती हैं।

EDITION INTERNATIONAL

आइए, पुनरावृति करें

- भाषा के दो रूप हैं– मौखिक एवं लिखित।
- जब बोलकर अपने विचार व्यक्त करते हैं, तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।
- लिखकर व्यक्त किया गया तरीका भाषा का लिखित रूप होता है।
- भाषा लिखने के लिए निर्धारित चिह्न लिपि कहलाते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से उनके घर में बोली जाने वाली मातृभाषा के बारे में पूछें और उन्हें बातचीत करने के लिए प्रेरित करें।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) भाषा कितने तरह की होती है?

(ख) लिखने, पढ़ने के लिए चिह्नों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

(ग) पत्र लिखना भाषा का कौन सा रूप है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि है?

☐ रोमन ☐ गुरुमुखी ☐ देवनागरी ☐ फारसी

(ख) तमिलनाडु में बोली जाने वाली भाषा है।

☐ मराठी ☐ तमिल ☐ मलयालम ☐ तेलुगू

2. दिए गए वाक्यों में उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

14 सितंबर   सांकेतिक   हिंदी   मौखिक

(क) बोलकर भावों को व्यक्त करना भाषा का .... रूप होता है।

(ख) हर वर्ष .... को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

(ग) भाषा में पढ़ा नहीं जाने वाला .... रूप कहलाता है।

(घ) हमारी राष्ट्र भाषा .... है।

EDITONE INTERNATIONAL

3. चित्रों में व्यक्तियों की पोशाक देखकर उनकी मातृभाषा लिखिए।

....

....

....

....

4. दिए गए वाक्यों को पढ़कर (✓) और (✗) का निशान लगाइए।

(क) भाषा का मौखिक रूप पत्र लिखना है। ☐

(ख) इशारों को भाषा का मौखिक रूप कहते हैं। ☐

(ग) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि अंग्रेज़ी है। ☐

सोचें-विचारें

Critical thinking

5. सही मिलान कीजिए।

(क) गुजरात	(i) बंगाली
(ख) पत्र पढ़ना	(ii) असमिया
(ग) बंगाल	(iii) गुजराती
(घ) 14 सितंबर	(iv) हिंदी दिवस
(ङ) असम	(v) मौखिक

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

6. यातायात संकेतों को दर्शाते हुए दिए गए चित्र में रंग भरिए और उनके रंगों के अनुसार संकेत लिखिए।

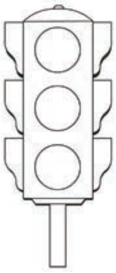

....

....

....

प्रेरणादायक मूल्य

जिस प्रकार व्यंजनों को पूर्ण करने के लिए स्वर अपना मूल रूप छोड़ देते है, ठीक उसी प्रकार हमें भी दूसरों के हित के लिए त्याग करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

वर्णमाला और मात्राएँ
(Alphabets and Symbols of Vowel)

पढ़िए और समझिए

1. वर्ण एवं वर्णमाला

जो आवाज़ें हम सुनते हैं, उन्हें ध्वनियाँ कहते हैं। वे ध्वनियाँ जिनके और टुकड़े नहीं किए किए जा सकते, उन्हें वर्ण कहा जाता है।

उपर्युक्त चित्रों में कोयल और बिल्ली दोनों अपनी-अपनी बात कहना चाहते हैं और इसके लिए इनके मुख से कुछ ध्वनियाँ निकल रही हैं।

हम जो कुछ भी बोलते या सुनते हैं, वे सब ध्वनियाँ ही 'वर्ण' कहलाती हैं । वर्ण ही भाषा की सबसे छोटी इकाई होते हैं; जैसे–

केला – क् + ए + ल् + आ

चूहा – च् + ऊ + ह् + आ

ऐसी ध्वनियाँ जिन्हें तोड़ा न जा सके, उसे 'वर्ण' या 'अक्षर' कहते हैं।

वर्णों के भेद

- स्वर
- व्यंजन

EDITONE INTERNATIONAL

स्वर

जिन वर्णों को बोलने में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं ली जाती है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी में स्वरों की संख्या 11 है–

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

अं अः

अयोगवाह (अं, अः)

व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता हैं, वे वर्ण 'व्यंजन' कहलाते हैं। हिंदी में व्यंजनों की संख्या 33 है–

क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अंत:स्थ	य	र	ल	व	
ऊष्म	श	ष	स	ह	

हिंदी की नई ध्वनियाँ आगत व्यंजन   ड़   ढ़   ज़   फ़

संयुक्त व्यंजन

कुछ व्यंजन दो व्यंजनों के मेल से बनते हैं, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। ये हैं– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

जैसे–
- परीक्षा – क्ष = क् + ष
- इत्र – त्र = त् + र
- ज्ञानी – ज्ञ = ज् + ञ
- श्रम – श्र = श् + र

EDITIONE INTERNATIONAL

आगत व्यंजन – ज़ फ़ (अरबी, फारसी भाषाओं की ध्वनियाँ जिन्हें हिंदी भाषा में शामिल किया गया है)

इनको शुद्ध रूप में लिखने के लिए व्यंजनों के नीचे एक बिंदु लगाया जाता है जिसे नुक्ता कहते हैं।

हिंदी की नई ध्वनियाँ– ड़ ढ़ (ये हमेशा शब्द के बीच में या अंत में आते हैं।)

वर्णमाला

जब भाषा के सभी वर्ण एक निश्चित क्रम में लिखे जाते हैं तो वर्णमाला बनती है।

वर्णों का क्रमबद्ध रूप वर्णमाला कहलाता है।

विशेष तथ्य

- बिना स्वर के व्यंजन हलंत चिह्न (्) लगाकर लिखे जाते हैं।
- क, ख, ग, घ आदि सभी व्यंजनों में 'अ' स्वर लगा होता है; जैसे– क् + अ = क
- ड़ और ढ़ व्यंजनों का प्रयोग शब्द के अंत में होता है; जैसे– पेड़, सीढ़ी आदि।

प्रातःकाल उठना अच्छी आदत है।

आँख हमारे शरीर का संवेदी अंग है।

अंगूर टोकरी में रखे हैं।

हमने प्रातःकाल, अंगूर और आँख शब्दों में क्रमशः (ः) (ँ) एवं (ं) के चिह्न लगे देखे, ये चिह्न विसर्ग, अनुस्वार और अनुनासिक कहलाते हैं।

मात्राएँ

सार्थक शब्द बनाने के लिए जब हम चिह्नों का प्रयोग करते है तो उन्हें मात्राएँ कहते हैं। इसलिए व्यंजन के साथ स्वर न लिखकर स्वरों की मात्रा लगाई जाती है।

प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है, परंतु 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

स्वर और व्यंजन का मेल

स्वर	मात्रा	मात्रायुक्त व्यंजन	शब्द	वाक्य
अ	–	ह	महल	यह महल बहुत सुंदर है।
आ	ा	सा	साग	साग का रंग हरा है।
इ	ि	ति	तितली	फूल पर तितली बैठी है।
ई	ी	पी	पीला	पीला तौलिया कील पर टाँगो।
उ	ु	कु	कुत्ता	कुत्ता वफ़ादार होता है।
ऊ	ू	कू	कूड़ा	कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए।
ऋ	ृ	मृ	मृग	मृग जंगल में रहता है।
ए	े	रे	रेल	यह रेलगाड़ी है।
ऐ	ै	कै	कैलाश	कैलाश बहुत बुद्धिमान है।
ओ	ो	को	कोयल	कोयल मीठा गाती है।
औ	ौ	नौ	नौका	नौका में लोग बैठे हैं।

आइए, पुनरावृति करें

- व्यंजन के साथ लगने वाले स्वरों के निश्चित चिह्न को मात्रा कहते हैं।
- ऋ की मात्रा हमेशा व्यंजन के नीचे (पैर में) लगती है।
- स्वतंत्र रूप से बोली जाने वाली इकाई वर्ण है।
- प्रत्येक स्वर की अपनी मात्रा होती है।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से सभी मात्राओं को व्यंजन में लगाते हुए उच्चारण करवाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

(क) स्वरों के निश्चित समूह को क्या कहते हैं?

(ख) वर्णमाला में कितने स्वर होते हैं?

(ग) मृग शब्द में कौन-से स्वर की मात्रा लगाई जाती है?

(घ) उस स्वर को बताइए जिसकी मात्रा व्यंजन के आगे लगती है?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) स्वरों की संख्या है-

☐ 8 ☐ 11 ☐ 7 ☐ 14

(ख) इनमें से व्यंजन है-

☐ ऋ ☐ ल ☐ इ ☐ ओ

(ग) 'हिरन' शब्द में कौन-सा स्वर है?

☐ इ ☐ ओ ☐ ई ☐ उ

(घ) 'कृषक' शब्द में कौन सी-मात्रा लगेगी?

☐ (ँ) ☐ (ं) ☐ (ृ) ☐ (ि)

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

वर्ण   चार   वर्णमाला   ग्यारह   स्वरों

(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई .... है।

(ख) हिंदी भाषा में संयुक्त व्यंजन की संख्या .... है।

(ग) वर्णों के निश्चित क्रम को .... कहते हैं।

(घ) मात्राएँ .... का चिह्न रूप हैं।

(ङ) स्वरों की संख्या .... है।

EDITONE INTERNATIONAL

3. दिए गए शब्दों में अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) लगाकर उचित शब्द बनाइए और सही बॉक्स में लिखिए।

अगूर	चाद	मदिर	पाच	चचल	आख	कघा	कुआ	पप	चदन
माद	कठ	पद्रह	गगा	मच	कगन	जाच	साप	पख	

अनुस्वार / **अनुनासिक**

अनुस्वार		अनुनासिक	
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

सोचें-विचारें

Critical thinking

4. सही मिलान कीजिए।

(क) ओ — (i) ी

(ख) ई — (ii) ु

(ग) उ — (iii) ृ

(घ) ऋ — (iv) ो

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. दिए गए प्रश्न संकेतों के आधार पर शब्दों की रचना कीजिए।

(क) ऋ की मात्रा (ृ) वाले शब्दों को लिखिए।

....

(ख) अनुस्वार (ं) लगाकर उचित शब्द बनाइए–

पख हस रग तग जग

(ग) 'ड़' व्यंजन लगाते हुए दो शब्द बनाइए।

जैसे– 'सड़क' ....

प्रेरणादायक मूल्य

Inspirational Value

जिस तरह अलग-अलग वर्ण मिलकर वर्णमाला का निर्माण करते हैं। उसी तरह हमें अनेकता में एकता लाकर एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

EDITONE INTERNATIONAL